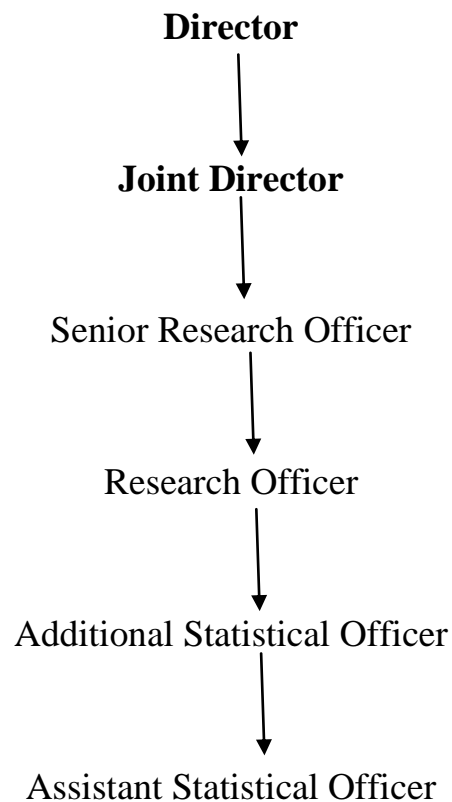


## **Organization**

The Area Planning Division was created in 1971 as a part of the State Planning Institute. The division has been engaged in the studies pertaining to the identification of problems of regional imbalances and suggesting appropriate measures for their reduction and also for better implementation and monitoring of development programmes in the State.

## **Organizational Structure**

The division is headed by Director. He is supported by Joint Director, Senior Research Officers, Research Officers, Additional Statistical Officer and Assistant Statistical Officer along with ministerial staff. The following is the organizational structure of the Division:-



## **Activities-**

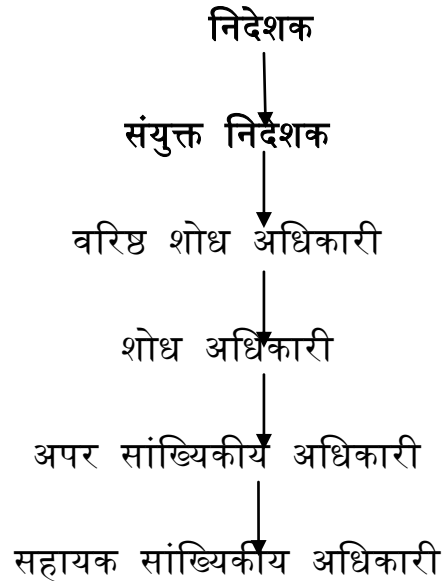
- The division accomplishes regular study of inter-regional and inter-district disparities. The division is continuously preparing "Niyojan Atlas" of Uttar Pradesh from the year 2003 on annual basis that provides a pictorial view of development and regional balances in respect of selected important indicators relating to agriculture, industry, social and economic parameters. The Atlas contains number of maps and charts showing inter-district, inter-regional and inter-state position of important indicators of development. With its considerably in large scope and fairly well thought out methodology, this "ATLAS" would be found much useful for those organizations/institutions which are associated with development planning aspects. Besides, Administrators and Research Institutions find it a highly relevant and efficient aid to their work and research interests in the field of Planning and Development at all levels.
- The division has been involved to work as a secretariat of newly constituted Poorvanchal Vikash Board.
- The division has been involved to work as a secretariat of newly constituted Bundelkhand Vikash Board.

## 1. संगठन

क्षेत्रीय नियोजन प्रभाग का सृजन 1971 में राज्य नियोजन संस्थान के अधीन किया गया था। इस प्रभाग का मुख्य कार्य प्रदेश में अर्न्तसम्भागीय एवं अर्न्तजनपदीय स्तर पर व्याप्त क्षेत्रीय विषमताओं को अभिज्ञानित करने हेतु अध्ययन करना तथा विकास योजनाओं के कुशल क्रियान्वयन हेतु सुझाव देना है।

## 2. संगठनात्मक ढांचा

प्रभाग के कार्यकलाप प्रभागीय निदेशक के तकनीकी निर्देशन में सम्पादित किये जाते हैं और निदेशक के सहायतार्थ संयुक्त निदेशक] वरिष्ठ शोध अधिकारी] शोध अधिकारी] अपर सांख्यिकीय अधिकारी एवं सहायक सांख्यिकीय अधिकारी तथा क्लैरिकल स्टाफ होते हैं। प्रभाग का संगठनात्मक ढांचा इस प्रकार है:-



### 3. क्रियाकलाप

- प्रभाग नियमित रूप से अर्न्तक्षेत्रीय एवं अर्न्तजनपदीय असमानताओं पर अध्ययन सम्पादित करता है। प्रभाग द्वारा वर्ष 2003 से प्रतिवर्ष नियोजन एटलस उ0प्र0 की संरचना की जा रही है। जो प्रदेश के विकास का सम्पूर्ण चित्रण और विभिन्न स्तरों पर व्याप्त क्षेत्रीय विषमताओं को दर्शाता है। यह एटलस महत्वपूर्ण विकास सूचकांकों पर आधारित होता है जो कृषि] उद्योग] सामाजिक और आर्थिक माप के राज्य एवं संगठनों/संस्थाओं उन एटलस यह हैं। होते निर्भर पर दण्ड- एवं विकास के राज्य जो है होता लाभप्रद अत्यन्त लिये के विभागों प्रशासनिक विकास/विभाग प्रशासनिक के राज्य तथा हैं होते सम्बन्धित से नियोजन विभागों एवं शोध संस्थाओं में भी इस एटलस का उपयोग किया जाता है।
- पूर्वान्वल विकास बोर्ड के सचिवालय के रूप में क्रियाकलापों का सम्पादन।
- बुन्देलखण्ड विकास बोर्ड के सचिवालय के रूप में क्रियाकलापों का सम्पादन।